राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदुस्तानी संगीत
पाठ 2 : राग के तत्त्व
कार्यपत्रक -2

1. 'राग सभी हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विधाओं का मूल मधुर सांगीतिक रूप है'।इस वाक्य की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिये।
2. राग भूपाली के आरोह और अवरोह दोनों में पांच स्वर हैं। इसकी जाति की पहचान कीजिये।
3. राग खमाज के आरोह में छह स्वर और अवरोह में सात स्वर हैं। इसकी जाति की पहचान कीजिये।
4. राग में सर्वाधिक प्रयुक्त स्वर वादी स्वर है। राग में इसका महत्त्व स्पष्ट कीजिये ।
5. एक उदाहरण के माध्यम से विवादी स्वर का प्रयोग स्पष्ट कीजिये ।
6. पं.भातखंडे द्वारा दिये गये दस ठाठों में से बिलावल शुद्ध स्वरों से युक्त ठाठ है। इस ठाठ के स्वर आरोह में लिखिये।
7. अपने पाठ्यक्रम के किसी राग का आरोह, अवरोह तथा पकड़ लिखिए ।
8. 'राग की सर्वप्रथम आवश्यकता श्रोताओं के चित्त के लिये सौंदर्यात्मक रंजकता प्रदान करना है'। इस वाक्य की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिये।
9. अपने पाठ्यक्रम की एक राग की पहचान करें जिसे रात्रि के प्रथम प्रहर में गाया जाता है।
10. यदि राग यमन के वादी और सम्वादी स्वर क्रमशः 'ग' और 'नि' हैं, तो कल्याण ठाठ के अर्थात तीव्र 'म' व अन्य स्वर शुद्ध युक्त इस संपूर्ण राग के अनुवादी स्वर लिखिए ।